

Sahara: Rs 2,314 crore returned to 13 lakh depositors

सहारा : 13 लाख जमाकर्ताओं को लौटाए गए 2,314 करोड़

लोकसभा में सहकारिता मंत्री शाह ने दिया लिखित जवाब

नई दिल्ली। सहारा समूह की सहकारी समितियों के 12,97,111 जमाकर्ताओं को गत 28 फरवरी तक 2,314.20 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए यह रकम लौटाई गई। सहारा समूह की चार बहु-राज्य सहकारी समितियों के वास्तविक जमाकर्ताओं की ओर से उनकी वैध जमा राशि की वापसी के लिए दावे पेश करने के लिए सीआरसीएस-सहारा रिफंड पोर्टल शुरू किया था। शाह ने बताया, रकम वापसी की पूरी प्रक्रिया डिजिटल और कागज रहित है। पैसों का वितरण सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस आर सुभाष रेड्डी की देखरेख व निगरानी में न्यायमित्र गौरव अग्रवाल की मदद से किया जा रहा है। ब्यूरो



अभी 50,000 तक भुगतान

शाह ने बताया कि फिलहाल, सहारा सहकारी समितियों के समूह के प्रत्येक वास्तविक जमाकर्ता को सत्यापित दावों पर आधार से जुड़े बैंक खाते से सिर्फ 50,000 रुपये तक का भुगतान किया जा रहा है। यह चार कंपनियां हैं-सहारा क्रेडिट सहकारी समिति लि. लखनऊ, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी लि. भोपाल, हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लि. कोलकाता और स्टार्स मल्टीपर्पज सहकारी समिति लि. हैदराबाद।

Government is committed to promote cooperative sector: Gurjar

सहकारिता क्षेत्र को बढ़ावा देने को सरकार प्रतिबद्ध : गुर्जर

नई दिल्ली (एसएनबी)। केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि सरकार ने सहकारिता के क्षेत्र में असीम संभावनाओं को देखते हुए पिछले साढ़े तीन साल में साठ से अधिक पहल की है।

कृष्णपाल गुर्जर ने प्रश्नकाल में एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा, सहकारिता मंत्रालय अपनी स्थापना के साढ़े तीन साल के अंदर सात प्रमुख क्षेत्रों में 60 पहल की है। इन पहलों में राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस और कम्प्यूटरीकरण परियोजनाओं के माध्यम से सहकारी संस्थाओं का डिजिटलीकरण करना शामिल है। उन्होंने कहा, जब अन्नदाता आत्मनिर्भर होगा तभी विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। सहकारिता विश्वविद्यालय के माध्यम से अगले चार वर्षों में बीस लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मियों को भी प्रशिक्षित करके उनकी दक्षता बढ़ाई जायेगी।

Publication	सच कहूं	Language	Hindi
Edition	Jaipur	Journalist	
Date	12/03/2025	Page no	3
CCM	N/A		

जयपुर जिला 3022 डेयरियों के साथ सबसे आगे

जयपुर जिला 3022 डेयरियों के साथ सबसे आगे

जयपुर (सच कहूं न्यूज)। राजस्थान में 18250 डेयरी सहकारी समितियां हैं। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में 3022 की संख्या के साथ सबसे अधिक डेयरी सहकारी समितियां जयपुर जिले में हैं। इसके अतिरिक्त अलवर जिला 1528 के साथ, भीलवाड़ा जिला 1182 के साथ प्रदेश में क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर है। देश में 148439 डेयरी सहकारी समितियां हैं और भारत दुग्ध उत्पादन में दुनिया में शीर्ष पर है। सबसे अधिक दुग्ध उत्पादन उत्तरप्रदेश में होता है। राजस्थान दुग्ध उत्पादन में दूसरे स्थान पर है।
